[This question paper contains 8 printed pages.]

4078 *आपका अनुक्रमांक ....*

B.Com. (बी. कॉम.) / I **C**

Paper V – HINDI (B)

प्रश्न-पत्र V – हिन्दी (ख)

(भाषिक प्रयोग एवं क्षमता, संप्रेषण क्षमता, काव्य संकलन, गद्य संकलन, द्रुतवाचन इत्यादि)

(प्रवेशवर्ष 2006 और तत्पश्चात्)

समय : 3 घण्टे *पूर्णांक : 75*

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

सभी *प्रश्न अनिवार्य हैं।*

खण्ड वाले प्रश्नों के उत्तर एक ही स्थान पर लिखिए।

1. (क) किसी एक पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए –

(i) मानक हिन्दी का स्वरूप

(ii) राजभाषा और राष्ट्रभाषा में अंतर (4)

(ख) किन्हीं **चार** शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए – (2)

अनुग्रहित, उपरोक्त, कवित्री, कृप्या, उज्जवल, आर्शिवाद, पूज्यनीय, सप्ताहिक

P.T.O.

(ग) किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध कीजिए – (2)

(i) उसने अनेकों शहरों की यात्रा की है।

(ii) दरअसल में बात यह है।

(iii) निर्दोशी को दण्ड देना उचित नहीं है।

(iv) परीक्षा में केवल मात्र दो ही प्रश्नों के उत्तर लिखने थे।

2. (क) निम्नलिखित शब्दों को शब्दकोश के अनुसार लिखिए –

सुरभि, अंश, अत्यधिक, कितना, विज्ञान, समूह, किरण, याद। (4)

अथवा

कोश किसे कहते हैं ? एकभाषी एवं द्विभाषी कोश का अंतर स्पष्ट कीजिए।

(ख) बैंकों में हिन्दी के प्रयोग की स्थिति एवं उपयोगिता पर अपने संक्षिप्त विचार प्रस्तुत कीजिए। (4)

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** के हिन्दी–प्रतिरूप लिखिए –

Deal, Open Acount, Teller, Ownership, Insurance, Currency, Dividend, Ad-hoc (4)

3. (क) पुस्तकें मंगवाने के लिए प्रकाशक को पत्र लिखिए। (4)

अथवा

किसी कम्पनी में लेखापाल (एकाउंटेंट) के पद हेतु अपना स्ववृत्त (बायोडाटा) तैयार कीजिए।

(ख) भेंटवार्ता की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। (4)

(ग) किसी एक पर सर्जनात्मक आलेख प्रस्तुत कीजिए -

(i) उफ! ये जाम! गया चैन और आराम।

(ii) उगते सूरज को प्रणाम करना उत्तम स्वास्थ्य की ओर पहला कदम है।

(iii) आज की नारी : क्या खोया ? क्या पाया ? (4)

4. (क) सप्रसंग व्याख्या कीजिए - (5)

कहत, नटत, रीझत, खिझत, मिलत, खिलत, लजियात।
भरे भौन में करत हैं, नैननु हीं सब बात ॥

दृग उरझत, टूटत कुटुम, जुरत चतुर-चित प्रीति।
परति गाँठि दुरजन - हियैं, दई, नई यह रीति।

अथवा

मधुर हो मुख मनोभावन,
सहज चितवन पर तरंगित
हो तुम्हारी किरण-तरुणा।

देख वैभव न हो नत सिर,
समुद्धत मन सदा हो स्थिर,
पार कर जीवन निरन्तर
रहे बहती भक्ति-वरुणा।

(ख) निम्नलिखित पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए - (5)

भेड़िए का आना ज़रूरी है
तुम्हें खुद को पहचानने के लिए
निर्भय होने का सुख जानने के लिए
मशाल उठाना सीखने के लिए।

इतिहास के जंगल में
हर बार भेड़िया माँद से निकाला जाएगा।
आदमी साहस से, एक होकर,
मशाल लिये बड़ा होगा।

इतिहास ज़िन्दा रहेगा
और तुम भी

और भेड़िया ?

(i) उक्त पद्यांश के रचयिता एवं कविता का शीर्षक बताइए।

(ii) 'भेड़िया', 'सामान्य जन', 'मशाल' एवं 'जंगल' की प्रतीकात्मकता को स्पष्ट कीजिए।

5. रैदास की भक्ति के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

नागार्जुन कृत 'ताशों में ही बचे रहेंगे' के केन्द्रीय भाव पर विचार कीजिए। (8)

6. (क) सप्रसंग व्याख्या कीजिए – (5)

अगन्चे मैंने कुछ नहीं कहा लेकिन मैं खुश था कि अनिल के मुँह में अब मेरी जबान है। मैं यह भी जानता था कि चन्द्रा के विरोध और गुस्से के बावजूद वह पार्क वाली शाम अन्त नहीं, एक तरह से शुरूआत थी – एक ऐसी शुरूआत, जिसका मोड़ आखिर मेरे रास्ते में ही आता था।

अथवा

साधारणत: वे ग्रामीण नागरिक बुद्धिजीवियों से अधिक भावुक होते हैं, इसी से संदेश का प्रत्येक अंश उनमें नवीन भावोद्रेक का कारण बन जाता है। कथा के क्रम में कभी उनके हँसने का परिचय मिलता है, कभी क्रन्दन का, कभी क्रोध का भाव व्यक्त होता है, कभी पश्चाताप का, कभी ममता की तन्मयता का आभास रहता है, कभी उपेक्षाजनित ग्लानि का, कभी दार्शनिक वीतरागता प्रकट होती है, कभी सांसारिक नीतिमत्ता।

(ख) निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

यह राजपथ है। इसकी धूल से आप परीशान हैं। बरसात में तो इन सड़कों पर घुटनों तक कीचड़ होती है। कम से कम प्रत्येक पाँच साल के बाद भी, गरीब जनता के पैसों का पंचमांश ही इन सड़कों पर खर्च किए जाते तो, चाँदी की चमचमाती हुई सड़क के किनारे सोने के माइलस्टोन गड़े होते। किन्तु यहाँ के ठेकेदारों और शासक-वर्ग के गड़बड़ घोटालों को आप नहीं समझ सकेंगे। धूल फाँकते चलिए! राह का एक साथी भी मिल गया। यही है बहादुर गोर्खा! रूस के 'कज्जाकों' का चचेरा भाई! इनकी लाल सेना, दुनिया की किसी भी रंग की सेना के छक्के छुड़ा सकती है। इस कौम को यहाँ की सरकार ने सदियों से मूर्ख और अपढ़ बनाकर, अंग्रेजी सरकार की सेवा के लिए रिजर्व रखा है। इन सड़कों की तरह ही इनकी भी जीवन-कहानी है।

(i) 'यह राजपथ है। इसकी धूल से आप परीशान हैं।' – आशय स्पष्ट कीजिए। (2)

(ii) लेखक ने किस वर्ग को नेपाल की दुर्दशा का कारण माना है ? (3)

7. 'एक दुराशा' निबन्ध का प्रतिपाद्य लिखिए। (7)

अथवा

"धन ही सब सम्बन्धों का मूल है।" – 'बेटों वाली विधवा' कहानी के आधार पर उक्त कथन की समीक्षा कीजिए।

8. (क) 'जिस लाहौर नइ देख्या ओ जम्याइ नइ' – नाटक के आधार पर निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

(i) मिर्ज़ा रतन की माँ को, हवेली खाली करने के लिए क्यों कहते हैं ?

(ii) रतन की माँ के चरित्र की दो विशेषताएँ लिखिए।

(iii) नासिर के चरित्र की दो विशेषताएँ लिखिए।

(iv) जब पहलवान हिंदुओं से बदला लेने की बात करता है, तब मौलवी उससे क्या कहता है ?

(v) नासिर, पहलवान को किन तर्कों के आधार पर चुप कराते हैं ?

अथवा

'दिलो-दानिश' उपन्यास के आधार पर निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

(i) कृपानारायण की बीबी और उसके बच्चों के नाम बताइए।

(ii) कुटुम्ब, महक के घर क्यों गई ?

(iii) बदरु के चरित्र की कोई दो विशेषताएँ बताइए।

(iv) मासूमा की शादी की क्या शर्त थी ? उसका महकबानो पर क्या प्रभाव पड़ा ?

(v) महक को घर में न पाकर वकील साहब क्या-क्या सोचने लगे ? (2 x 4 = 8)